दैनिक जागरण
10-11-15 पृष्ठ-12

990/980

कृषि अनुसंधान पर मांगे सुझाव

संसदीय समिति गंभीर

- खाद्य सुरक्षा को क्षेत्रीय जरूरतों के मुताबिक अनुसंधान पर जोर
- जलवायु परिवर्तन को बड़ी चुनौती के रूप में देख रही समिति

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के साथ खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, कृषि मंत्रालय की स्थायी संसदीय समिति ने खेती की क्षेत्रीय भौगोलिक जरूरतों के बारे में स्थानीय लोगों की राय मांगी है। समिति के अध्यक्ष हुकुमदेव नारायण यादव ने कृषि क्षेत्र की चुनौतियों पर व्यापक सलाह-मशविरा करने के लिए विशेषज्ञों, व्यक्तियों, संस्थानों व विभिन्न संगठनों से सलाह देने का आग्रह किया है।

इन सुझावों में क्षेत्र विशेष में होने वाली खेती, फसलों की नई प्रजातियां, उनमें सुधार की जरूरत, सिंचाई के साधन और वहां के लोगों की खाद्य जरूरतों के बारे में विस्तार से बताने को कहा गया है।

समिति की ओर से पशुधन, बागवानी और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों पर भी विस्तार से सुझाव देने को कहा गया है। कृषि शिक्षा व विस्तार को लेकर उठने वाले सवालों पर भी विचार-विमर्श किया जा रहा है। सभी लोगों से आग्रह किया गया है कि अपने सुझावों को विस्तार से अगले तीन सप्ताह के भीतर लोकसभा सचिवालय में जमा करा सकते हैं। समिति के समक्ष उपस्थित होकर भी अपने सुझाव रखे जा सकते हैं।

समिति जलवायु परिवर्तन को लेकर कृषि क्षेत्र के समक्ष पैदा हुई चुनौतियों को लेकर बेहद चिंतित है, जो इस मुद्दे पर अपनी सिफारिशें तैयार कर रही है। दरअसल, देश कुल 15 क्लाइमेटिक जोन में बंटा हुआ है। इससे खेती में विविधता है। इसके मुताबिक कृषि अनुसंधान से ही खेती का भला और खाद्य सुरक्षा संभव है।

संसदीय स्थायी समिति अपनी सिफारिशों में क्लाइमेटिक जोन के हिसाब से ही अनुसंधान के लिए स्थानीय लोगों की राय जोर देगी। कृषि मंत्रालय से संबद्ध संसद की इस समिति की सिफारिशें आगामी शीतकालीन सत्र में पेश होने वाली हैं। समिति उसके पहले अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने से पहले से लोगों की राय लेना चाहती है।

राष्ट्रीय

(हस्ताक्षर) 10/11/15
प्रभारी, समाचार पत्र अनुभाग
के पुस्तकालय

1. निजी सचिव, निदेशक, भा० कृ० अ० सं०, दिल्ली
2. " सं० निदेशक (अनु०) "
3. " सं० निदेशक (प्रसार) "
4. " सं० निदेशक/अधिष्ठाता (शिक्षा) "
5. प्रभारी, पी० मी० आई०
6. प्रभारी कैटैट "
7. प्रभारी, पी० के० एम० यू० "